

4. भारत में खाद्य सुरक्षा

मुख्य बिंदु

प्रश्न: गरीब को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं ? सरकार की ओर से शुरू कि गई किन्हीं दो योजनाओं को लिखें ।

उत्तर:

(i) संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली :- इस प्रणाली का आरंभ 1992 में देश के 1700 ब्लॉकों में किया गया । इसका लक्ष्य दूर दराज के और सभी पिछड़े क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ पहुँचाने । जून 1997 में सभी क्षेत्रों में गरीबों को लक्षित करने के लिए सिध्दान्त अपनाने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रारंभ कि गई ।

(ii) अंत्योदय अन्न योजना :- यह योजना गरीबों में भी सर्वाधिक गरीबों के लिए शुरू कि गई । इस योजना का संचालन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के वर्तमान नेटवर्क से जोड़ दिया गया । इस योजना के अंतर्गत निर्धनों को 35 किलोग्राम खधान्न मिलता है ।

प्रश्न: भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है ?

उत्तर: भारत में खाद्य सुरक्षा का सुनिश्चित बफर स्टॉक और सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा किया जाता है ।

प्रश्न: कौन लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते हैं ?

उत्तर: भूमिहीन लोग, परम्परागत कारीगर, परम्परागत सेवाएँ प्रदात करने वाले जैसे – नाई, बढ़ई, धोबी आदि लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते हैं ।

प्रश्न: क्या आप मानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्म निर्भर बना दिया है कैसे ?

उत्तर: हाँ, हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्म निर्भर बना दिया है, क्योंकि हरित क्रांति के बाद गेहूँ तथा चावल के उत्पाद में इतनी अधिक वृद्धि हुई है कि हमें अब दुसरो देशो से गेहूँ आदि खाद्यान्नों का आयत नहीं करना पड़ता ।

प्रश्न: आपदा खाद्य आपूर्ति को कैसे प्रभावित करती है ?

Or

प्रश्न: विपदा में खाद्य सुरक्षा कैसे प्रभावित करती है ?

उत्तर: प्राकृतिक आपदा में खाद्य सुरक्षा मीमं प्रकार से प्रभावित होता है :-

(i) खाद्यान्नो की कुल उत्पादन कम को जाता है ।

(ii) प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न में कमी हो जाती है ।

(iii) किमतों में वृद्धि हो जाती है ।

(iv) यदि आपदा लंबे समय तक रहता है तो भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकते हैं ।

प्रश्न: मौसमी भुखमरी तथा दीर्घकालिक भुखमरी में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर:

मौसमी भुखमरी:

(i) यह कृषि उत्पादन में आई गिरावट से उत्पन्न होता है ।

(ii) पुरे साल काम न मिलने से उत्पन्न होता है ।

(iii) बाढ़, सुखा जैसे आपदाओं से उत्पन्न होता है ।

दीर्घकालिक भुखमरी :

(i) हमेशा से कम आय हो तो उस प्रकार की भुखमरी लगातार बने रहते हैं ।

(ii) वे खाद्यान्न खरीदने में असमर्थ होता है ।

(iii) ऐसी भुखमरी अपयार्स खुराख से उत्पन्न होता है ।

प्रश्न: भुखमरी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: भुखमरी एक ऐसी स्थिति है जिसमें खाद्यान्नो का संकट उत्पन्न हो जाने के कारण प्राणी भूख से मरने लगने है ।

प्रश्न: बफर स्टॉक क्या है ? सरकार इसे क्यों बनाती है ?

उत्तर: बफर स्टॉक अनाजों का वह स्टॉक है जिसका सृजन किसानों से अनाज खरीद कर करती है । सरकार खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक बनाती है तथा सामान के गरीब वर्गों में बाजार मूल्य से कम कीमत पर अनाज वितरण वितरण करने के लिए ।

प्रश्न: न्यूनतम समर्थित मूल्य साप क्या समझते हैं ?

उत्तर: सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसलों के लिए पहली ही से इम्ते धोषित कर दी जाती है । इस धोषित मूल्य को न्यूनतम समर्थित मूल्य कहते हैं ।

प्रश्न: निर्गत कीमत क्या है ? स्पष्ट करे ?

उत्तर: समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत सेकाम मूल्य पर वितरण किया जाता है । इस कीमत को निर्गत कीमत कहते हैं ।

प्रश्न: खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की भूमिका वर्णन करे ?

उत्तर: खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की भूमिका निम्न है :-

(i) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्य की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दुकानें होलती हैं ।

(ii) समाज के विभिन्न वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं ।

(iii) अनाज बैंकों की स्थापना के लिए गैर- सरकारी संगठनों के नेटवर्क में सहायता करती हैं ।

(iv) ये सरकारी द्वारा नियंत्रित मूल्य पर खाद्य (दूध और सब्जी) उपलब्ध कराती हैं । जैसे- मदर डेयरी तथा सफल आदि ।

प्रश्न: राशन कि दुकानों के संचालन में क्या समस्याएँ हैं ?

उत्तर: राशन कि दुकानों के संचालन में निम्न समस्याएँ हैं :-

(i) राशन की दुकानों को प्रत्येक लेन देन का लेखा जोखा रखना पड़ता है ।

(ii) राशन कि दुकानों पर उपभोक्ताओं का हर बात ख्याल रखना पड़ता है ।

(iii) राशन की दुकानों उपभोक्ता की शिकायत की पुष्टि होने पर लाइसेंस रद्द भी हो सकता है ।

अभ्यास :

प्रश्न 1: भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है ?

उत्तर: भारत में खाद्य सुरक्षा का सुनिश्चित बफर स्टॉक और सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा किया जाता है ।

प्रश्न 2: कौन लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते हैं ?

उत्तर: भूमिहीन लोग, परम्परागत कारीगर, परम्परागत सेवाएँ प्रदात करने वाले जैसे - नाई, बढ़ई, धोबी आदि लोग खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हो सकते हैं ।

प्रश्न 3: भारत में कौन-कौन से राज्य खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हैं ।

उत्तर : भारत में आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त हैं ।

जैसे - उत्तर प्रदेश (पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्से), बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कुछ भागों में खाद्य की दृष्टि से

असुरक्षित लोगों की सर्वाधिक संख्या है।

प्रश्न 4: क्या आप मानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है ? कैसे ?

उत्तर : हाँ, हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है | आज हम आजादी के बाद से इस क्षेत्र में काफी विकास किया है | भारत ने कृषि में एक नयी रणनीति अपनाई, जिसकी परिणति हरित क्रांति में हुई, विशेषकर गेहूँ और चावल के उत्पादन में। पंजाब और हरियाणा ने गेहूँ और चावल के उत्पादन में रिकार्ड बनाया, वाही तमिलनाडु और आन्ध्र प्रदेश ने चावल के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की | अन्य राज्यों जैसे बिहार, माध्य-प्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा और पूर्वोत्तर के राज्यों ने भी आत्मनिर्भर बनने में काफी योगदान दिया |

प्रश्न 5: भारत में लोगों का एक वर्ग अब भी खाध्य से वंचित है ? व्याख्या कीजिए |

उत्तर : भारत में निम्नलिखित वर्ग अभी भी खाध्य से वंचित है :

- (i) भूमिहीन जो थोड़ी बहुत अथवा नगण्य भूमि पर निर्भर हैं,
- (ii) पारंपरिक दस्तकार,
- (iii) पारंपरिक सेवाएँ प्रदान करने वाले लोग,
- (iv) अपना छोटा-मोटा काम करने वाले कामगार और
- (v) निराश्रित तथा भिखारी।

प्रश्न 6: आपदा खाद्य आपूर्ति को कैसे प्रभावित करती है ?

Or

प्रश्न 6: जब कोई आपदा आती है तो खाद्य पूर्ति पर क्या प्रभाव होता है ?

उत्तर: प्राकृतिक आपदा में खाद्य सुरक्षा मीमं प्रकार से प्रभावित होता है :-

- (i) खाद्यान्नो की कुल उत्पादन कम को जाता है |
- (ii) प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न में कमी हो जाती है |
- (iii) किमतों में वृद्धि हो जाती है |
- (iv) यदि आपदा लंबे समय तक रहता है तो भुखमरी कि स्थिति उत्पन्न हो सकते हैं |

प्रश्न 7: मौसमी भुखमरी तथा दीर्घकालिक भुखमरी में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर:

मौसमी भुखमरी:

- (i) यह कृषि उत्पादन में आई गिरावट से उत्पन्न होता है |

- (ii) पुरे साल काम न मिलने से उत्पन्न होता है ।
- (iii) बाढ़, सुखा जैसे आपदाओ से उत्पन्न होता है ।

दीर्घकालिक भुखमरी :

- (i) हमेशा से कम आय हो तो उस प्रकार कि भुखमरी लगातार बने रहते हैं ।
- (ii) वे खाद्यान्न खरीदने ने असमर्थ होता है ।
- (iii) ऐसी भुखमरी अपयार्स खुराख से उत्पन्न होता है ।

प्रश्न 8: गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या किया ? सरकार की ओर से शुरू की गई किन्ही दो योजनाओं की चर्चा कीजिए ।

उत्तर:

(i) संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली :- इस प्रणाली का आरंभ 1992 में देश के 1700 ब्लाको में किया गया । इसका लक्ष्य दूर दराज के और सभी पिछडो क्षेत्रो में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ पहुँचने । जून 1997 में सभी क्षेत्रो में गरीब कि लक्षित करने के लिए सिध्दान्त अपनाने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रारंभ कि गई ।

(ii) अंत्योदय अन्न योजना :- यह योजना गरीब में भी सर्जधिक गरीब के लिए शुरू कि गई । इस योजना का संचालन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के वर्तमान नेटवर्क से जोड़ दिया गया । इस योजना के अंतर्गत निर्धनों को 35 किलोग्राम खधान्न मिलता है ।

प्रश्न 9: सरकार बफ़र स्टॉक क्यों बनाती है ?

उत्तर : बफ़र स्टॉक अनाजो का वह स्टॉक है जिसका सृजन किसानो से अनाज खरीद कर करती है ।

बफ़र स्टॉक बनाने के निम्न कारण है -

- (i) खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ।
- (ii) गरीब वर्गों में बाजार मूल्य से कम कीमत पर अनाज वितरण करने के लिए ।
- (iii) आपदा के समय आपदा ग्रस्त इलाके तक खाद्य की पूर्ति करने के लिए ।

प्रश्न 10: टिप्पणी लिखें :

- (क) न्यूनतम समर्थित मूल्य
- (ख) बफ़र स्टॉक
- (ग) निर्गम कीमत
- (घ) उचित दर की दुकान

उत्तर :

(क) **न्यूनतम समर्थित मूल्य** : किसानों को उनकी फसल के लिए पहले ही से उनकी अनाजों के लिए सरकार कीमत घोषित कर देती है | इसी मूल्य को न्यूनतम समर्थित मूल्य कहा जाता है |

(ख) **बफ़र स्टॉक** : सरकार भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से किसानों से अनाज खरीदकर खाद्य भंडारों में भंडारित कर लेती है | इसे ही बफ़र स्टॉक कहा जाता है |

(ग) **निर्गम कीमत** : अनाज की कमी वाले क्षेत्रों में और समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत से भी काफी कम कीमत पर सरकार अनाज वितरण करवाती है | इसी कीमत को निर्गत कीमत कहा जाता है |

(घ) **उचित दर की दुकान** : सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत देश के सभी क्षेत्रों, गांवों, कस्बों और शहरों में राशन की दुकानें संचालित की जाती हैं | इन्हीं दुकानों को उचित दर की दुकान कहा जाता है |

प्रश्न 11: राशन कि दुकानों के संचालन में क्या समस्याएँ हैं ?

उत्तर: राशन कि दुकानों के संचालन में निम्न समस्याएँ हैं :-

- (i) राशन की दुकानों को प्रत्येक लेन देन का लेखा जोखा रखना पड़ता है |
- (ii) राशन कि दुकानों पर उपभोक्ताओं का हर बात ख्याल रखना पड़ता है |
- (iii) राशन की दुकानों उपभोक्ता की शिकायत की पुष्टि होने पर लाइसेंस रद्द भी हो सकता है |

प्रश्न 12: खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों कि भूमिका वर्णन करे ?

उत्तर: खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों कि भूमिका निम्न हैं :-

- (i) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्य की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दुकाने होलती हैं |
- (ii) समाज के विभिन्न वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती अहि |
- (iii) अनाज बैंकों कि स्थापना के लिए गैर- सरकारी सगठनों के नेटवर्क में सहायता करती हैं |
- (iv) ये सरकारी दुवारा नियंत्रित मूल्य पर खाद्य (दूध और सब्जी) उपलब्ध कराती हैं | जैसे- मदर डेयरी तथा सफल आदि |

महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

पाठ-4. भारत में खाद्य सुरक्षा

प्रश्न: गरीब को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या उपाय किए हैं ? सरकार की ओर से शुरू कि गई किन्हीं दो योजनाओं को लिखें ।

उत्तर:

(i) संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली :- इस प्रणाली का आरंभ 1992 में देश के 1700 ब्लॉकों में किया गया । इसका लक्ष्य दूर दराज के और सभी पिछड़े क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ पहुँचाने । जून 1997 में सभी क्षेत्रों में गरीबों को लक्षित करने के लिए सिध्दान्त अपनाने के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली प्रारंभ कि गई ।

(ii) अंत्योदय अन्न योजना :- यह योजना गरीबों में भी सर्वाधिक गरीबों के लिए शुरू कि गई । इस योजना का संचालन सार्वजनिक वितरण प्रणाली के वर्तमान नेटवर्क से जोड़ दिया गया । इस योजना के अंतर्गत निर्धनों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न मिलता है ।

प्रश्न: क्या आप मानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्म निर्भर बना दिया है कैसे ?

उत्तर: हाँ, हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्नों में आत्म निर्भर बना दिया है, क्योंकि हरित क्रांति के बाद गेहूँ तथा चावल के उत्पाद में इतनी अधिक वृद्धि हुई है कि हमें अब दुसरे देशों से गेहूँ आदि खाद्यान्नों का आयात नहीं करना पड़ता ।

प्रश्न: आपदा खाद्य आपूर्ति को कैसे प्रभावित करती है ?

उत्तर: प्राकृतिक आपदा में खाद्य सुरक्षा मीमं प्रकार से प्रभावित होता है :-

(i) खाद्यान्नों की कुल उत्पादन कम को जाता है ।

(ii) प्रभावित क्षेत्र में खाद्यान्न में कमी हो जाती है ।

(iii) किमतों में वृद्धि हो जाती है ।

(iv) यदि आपदा लंबे समय तक रहता है तो भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो सकते हैं ।

प्रश्न: भुखमरी से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर: भुखमरी एक ऐसी स्थिति है जिसमें खाद्यान्नो का संकट उत्पन्न हो जाने के कारण प्राणी भूख से मरने लगने हैं ।

प्रश्न: बफर स्टॉक क्या है ? सरकार इसे क्यों बनाती है ?

उत्तर: बफर स्टॉक अनाजों का वह स्टॉक है जिसका सृजन किसानों से अनाज खरीद कर करती है | सरकार खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक बनाती है तथा गरीब वर्गों में बाजार मूल्य से कम कीमत पर अनाज वितरण करने के लिए |

प्रश्न: न्यूनतम समर्थित मूल्य साप कया समझते है ?

उत्तर: सरकार द्वारा किसानों को उनकी फसलों के लिए पहली ही से इम्ते धोषित कर दी जाती है | इस धोषित मूल्य को न्यूनतम समर्थित मूल्य कहते है |

प्रश्न: निर्गत कीमत क्या है ? स्पष्ट करे ?

उत्तर: समाज के गरीब वर्गों में बाजार कीमत सेकाम मूल्य पर वितरण किया जाता है | इस कीमत को निर्गत कीमत कहते है |

प्रश्न : खाद्य सुरक्षा से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर : खाद्य सुरक्षा से हमारा अभिप्राय सभी लोगों के लिए हमेशा भोजन की उपलब्धता, पहुँच कर उसे हासिल करने का सामर्थ्य से है |

प्रश्न : खाद्य सुरक्षा के कितने आयाम होते है ?

उत्तर :खाद्य सुरक्षा के निम्न आयाम होते है :-

(1) खाद्य उपलब्धता का अभिप्राय देश में खाद्य उत्पादन , खाद्य आयत एवं सरकारी अनाज भण्डारों में संचित पिछले सालों के स्टॉक से है।

(2) पहुँच का अभिप्राय है की खाद्य हर व्यक्ति को मिलता रहे |

(3) सामर्थ्य का अर्थ है की लोगों के पास अपनी भोजन जरूरतों को पूरा करने के लिए समुचित और पौष्टिक भोजन खरीदने के लिए धन मौजूद हो |